सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 12/11/2025 से 14/11/2025

मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में तीन दिवसीय 12/11/2025 से 14/11/2025 तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम दिवस में मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा भा.व.से. के द्वारा उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रायोजक अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सं.व.प्र.) म.प्र. भोपाल है। प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों के द्वारा सूक्ष्म प्रबंध योजना से संबंधित विभिन्न विषयों पर PPT के माध्यम से जानकारी प्रदान की गयी। इसके उपरांत दूसरे दिन दिनांक 13/11/2025 को वन परिक्षेत्र कुन्डम की ग्राम वन समिति कुन्दवारा में सहभागी ग्रामीण समीक्षा (PRA) का अभ्यास विषय विशेषज्ञ श्री चित्तरंजन त्यागी भा.व.से., सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्री आर. बी. शर्मा भा.व.से., सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक, श्री ओंकार सिंह राणा, सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक, श्री अभिषेक शर्मा एवं श्री अनुज सक्सेना के मार्गदर्शन में विभिन्न वनमण्डल (पूर्व छिंदवाड़ा, जबलपुर, ग्वालियर, पश्चिम बैतूल, धार, खण्डवा एवं खरगौन) के कुल 42 प्रशिक्षणार्थियों एवं ग्राम वन समिति के सदस्यों के साथ किया गया। इस अवसर पर वनमण्डल के क्षेत्रीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे एवं उनका सहयोग प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस दिनांक 14/11/2025 को मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा भा.व.से. के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया तथा परियोजना की मुख्य अन्वेषक डॉ. प्रतीक्षा चतुर्वेदी, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर संस्थान के श्री एस. एस. रघुवंशी, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, श्री विनय कुमार कोरी, श्री दिनेश कुमार कुलदीप, श्री सत्यम सक्सेना, श्री विनीत मेहरा, श्री अनमोल लक्की एक्का, श्री अभिषेक सोनी एवं प्रियंका वर्मा आदि ने भी उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।

दैनिक भास्कर समाचार पत्र
दिनांक 13/11/2025

वन प्रबंधन में स्थानीय भागीदारी जरूरी

भाससे, जबलपुर। वन प्रबंधन और विकास से जुड़े निर्णयों में स्थानीय लोगों को शामिल करना जरूरी है, जिससे वे वन के स्वामित्व और रखरखाव की जिम्मेदारी ले सकें। इसी मकसद से वन विभाग द्वारा सूक्ष्म प्रबंधन योजनाएं बनाई जाती हैं। समय-समय पर इसे लेकर प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में पोलीपाथर स्थित मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई) में सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा ने करते हुए सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला एवं सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण की आवश्यकता को बताया। प्रशिक्षण के लिए भोपाल से आए विषय विशेषज्ञ चित्तरंजन त्यागी, आर.बी. शमा व ओंकार सिंह राणा ने योजना की अवधारणा, परिचय, उद्देश्य, निर्माण एवं निर्माण से पूर्व की तैयारी आदि विषयों पर जानकारी दी। सूक्ष्म प्रबंध योजना-संयुक्त वन प्रबंधन (ज्वाइंट फॉरेस्ट मैनेजमेंट) की एक सहभागी प्रणाली है, जिसमें स्थानीय समुदाय एवं वन विभाग मिलकर वनों के संरक्षण और प्रबंधन का कार्य करते हैं।

दैनिक भास्कर
Thu, 13 November 2025
https://epaper.bhaskarhindi

दैनिक भास्कर समाचार पत्र
दिनांक 17/11/2025

सूक्ष्म प्रबंध योजना के जरिए बदलेगी वनों की तस्वीर

भाससे, जबलपुर| राज्य वन अनुसंधान संस्थान पोलीपाथर में आयोजित 'सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम' के समापन अवसर पर संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेव के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। पिछले तीन दिनों में विषय विशेषज्ञ चित्तरंजन त्यागी, आरबी शर्मा, ओंकार सिंह राणा, अभिषेक शर्मा एवं अनुज सक्सेना के द्वारा कुल 41 वन कर्मियों एवं ग्राम वन समिति के सदस्यों को एक साथ प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मुख्य अन्वेषक डॉ. प्रतीक्षा चतुर्वेदी ने बताया कि आने वाले दिनों में इस प्रशिक्षण का असर वनों के विकास में दिखाई देगा।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित हुई तीन दिवसीय कार्यशाला

▪ माइक्रोप्लान के जरिए आएगा बदलाव| योजना से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक सूक्ष्म प्रबंध योजना मूल रूप से संयुक्त वन प्रबंधन (जेएफएम) की एक सहभागी प्रणाली है, जिसमें स्थानीय समुदाय और वन विभाग मिलकर वनों के संरक्षण और प्रबंधन का कार्य करते हैं। इसका उद्देश्य वनों की रक्षा के साथ-साथ ग्रामीण समुदाय को वन संसाधनों के लाभों में सहभागी बनाना है। माइक्रोप्लान संयुक्त वन प्रबंधन का एक प्रमुख भाग है, जो ग्राम स्तर पर वन प्रबंधन और विकास की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह आवश्यकता और स्थान आधारित योजना है, जिसका लक्ष्य संसाधनों का संतुलित उपयोग, स्थिरता और जैव विविधता का संरक्षण है। इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्रीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डेटा संग्रहण और माइक्रोप्लान तैयार करने की प्रक्रिया में दक्ष बनाना था, ताकि वे अपने क्षेत्र के संसाधनों के आधार पर प्रभावी योजना बना सकें।

दैनिक भास्कर
Mon, 17 November 2025
https://epaper.bhaskarl

सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम